प्यास

प्यास

- एक ऐसा अहसास जिसमें पीने की जरूरत हो ।
- किसी चीज को पाने की तीव्र इच्छा ।

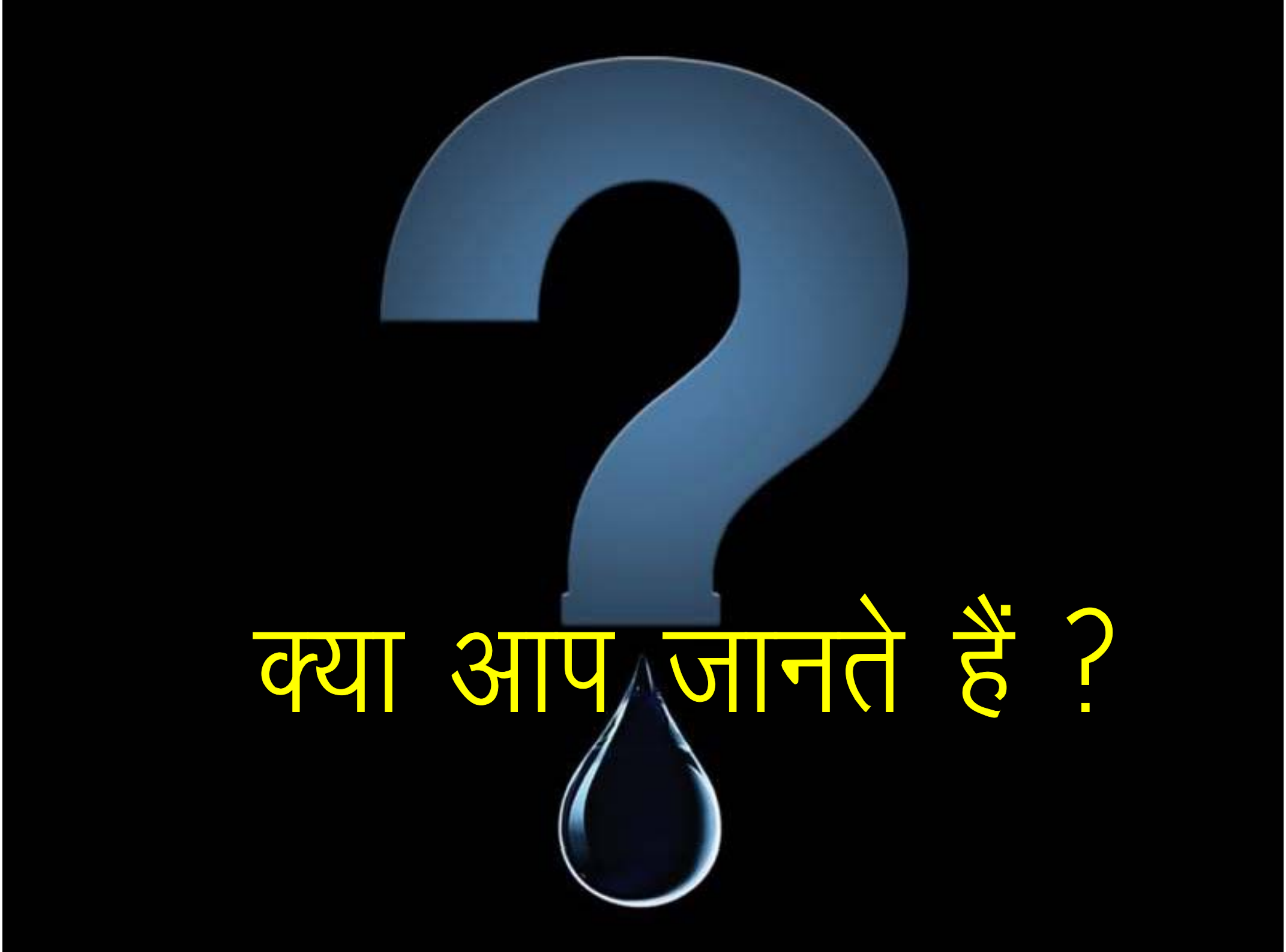
क्या आप जानते हैं ?

हम सभी पानी पर निर्भर जीव हैं

यह मौजूद है....

शरीर के 60 प्रतिशत भाग में

दिमाग के 70 प्रतिशत हिस्से में

हमारे 80 प्रतिशत रक्त में

शायद आप बिना भोजन के लगभग एक माह से भी अधिक जीवित रह सकते है.....

परन्तु आपका शरीर बिना पानी के एक सप्ताह भी नहीं काट सकता ।

पृथ्वी में जितना पानी लाखों वर्ष
पहले था उतना आज भी मौजूद है ।

...किन्तु इसमें पीने योग्य पानी केवल 3 प्रतिशत मात्र ही है ।

...और ज्यादातर पानी वर्फ के रूप में है ।

मानव को पीने योग्य पानी का 1 प्रतिशत से भी कम ही प्राप्त हो पाता है ।

चलिए इसे दूसरे ढ़ंग से भी समझते है.....

पृथ्वी में मौजूद पानी में से पीने योग्य पानी तो 0.007 प्रतिशत से भी कम है ।

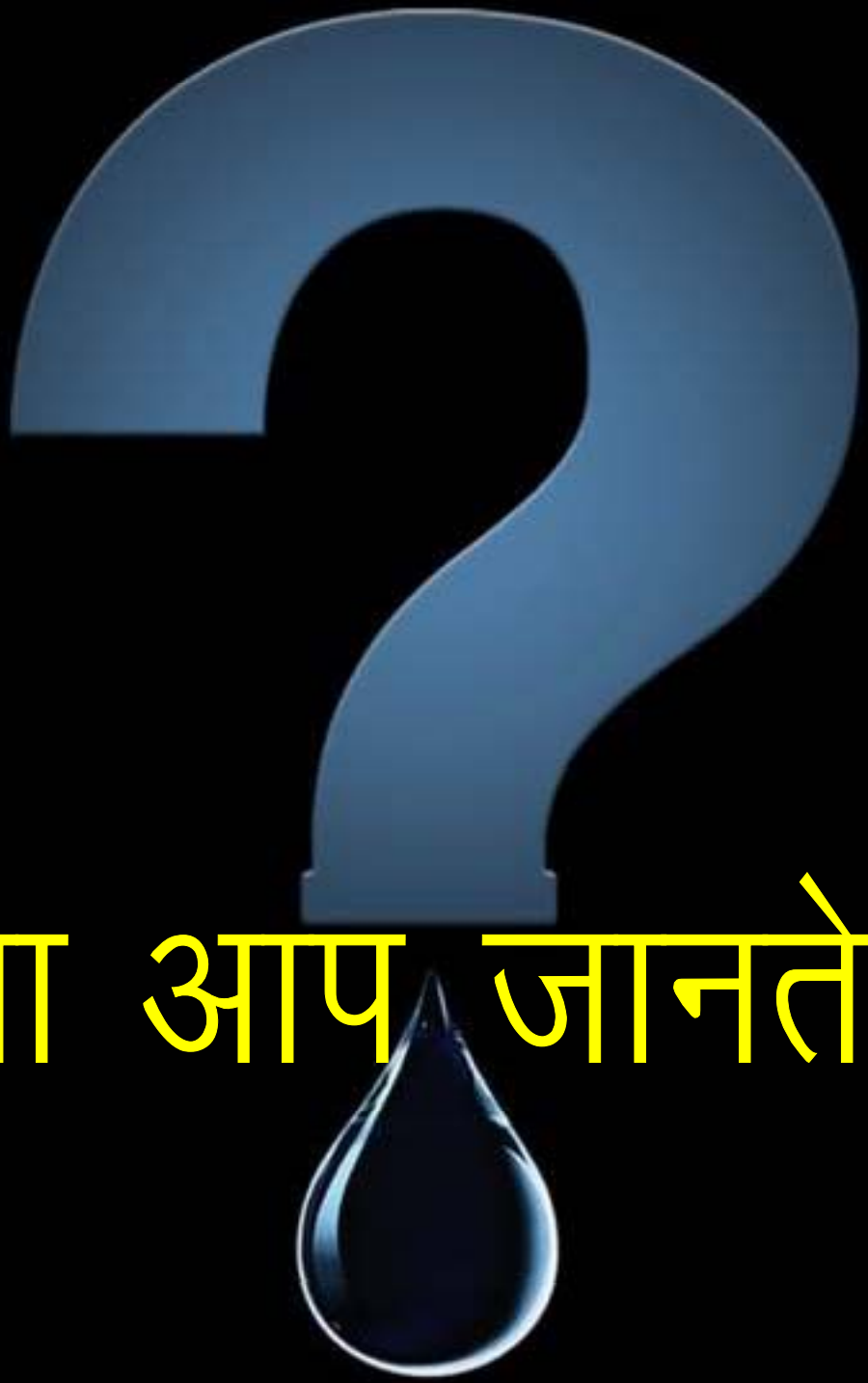

क्या आप जानते हैं ?

स्वच्छ पानी के
भण्डार का मात्र
चौथाई हमारे घरों
तक पहुंच पाता है ।

शौचालयों में फ्लेश पर इस्तेमाल किया जाता है ।

शौचालयों में एक फ्लेश का प्रयोग लगभग तीन गेलन पानी की खपत करता है ।

एक बार धुलाई के लिए मशीन का प्रयोग करीब 40 गेलन पानी की खपत करता है ।

10 मिनट का शॉवर :

करीब 50 गेलन

पानी की खपत

नल चलाकर ब्रश करते हुए पानी की बर्बादी : 4 गेलन

नल बंद रखकर ब्रश करते हुए पानी का प्रयोग : 0.25 गेलन

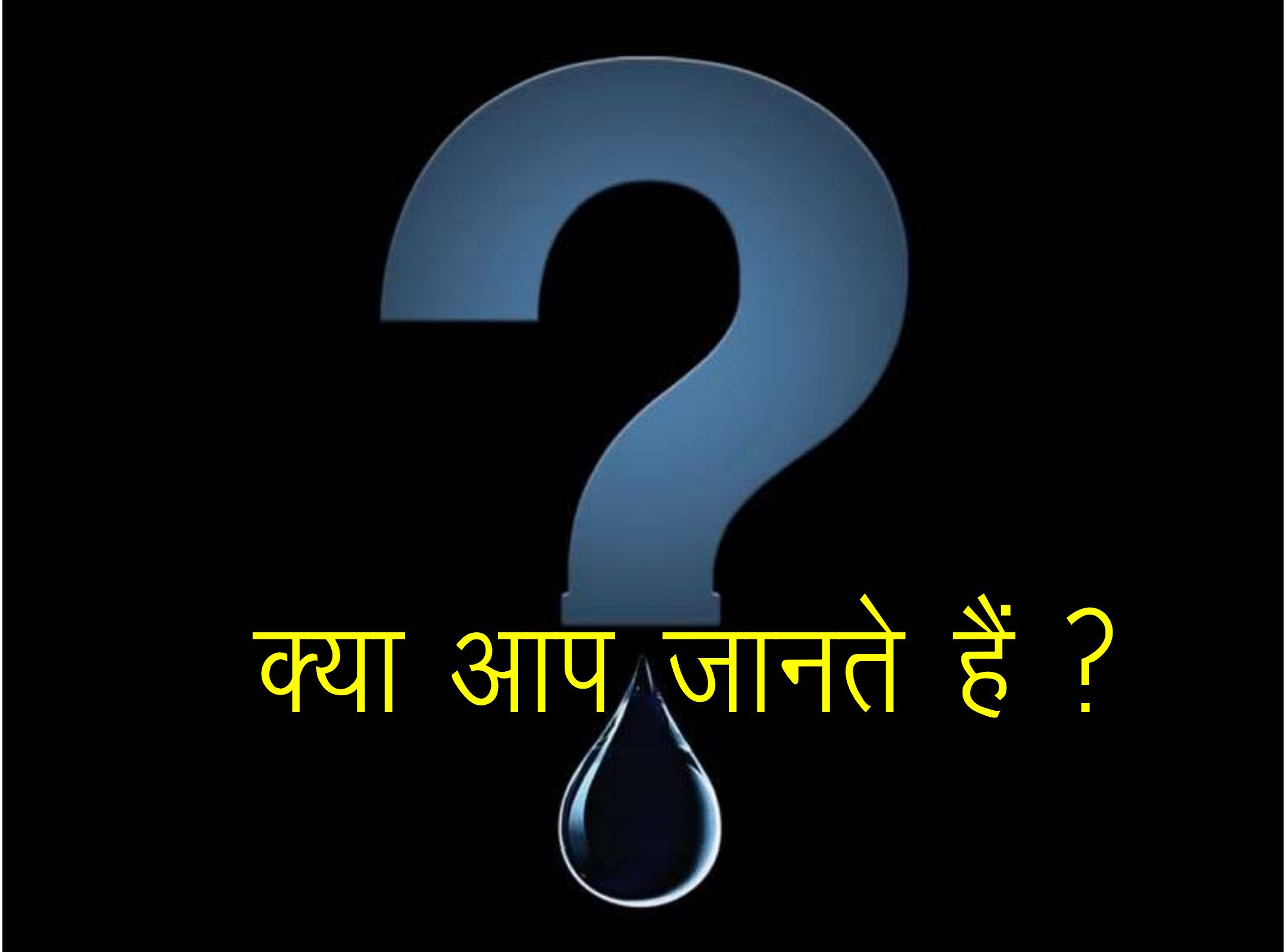
क्या आप जानते हैं ?

पानी की आपदा दिखनी शुरू हो रही है ।

हमारे जल संसाधन अब संकट में हैं ।

21वीं शताब्दी में विश्व की जनसंख्या तिगुनी हो जाएगी ।

...और पानी की खपत 6 गुणा हो जाएगी ।

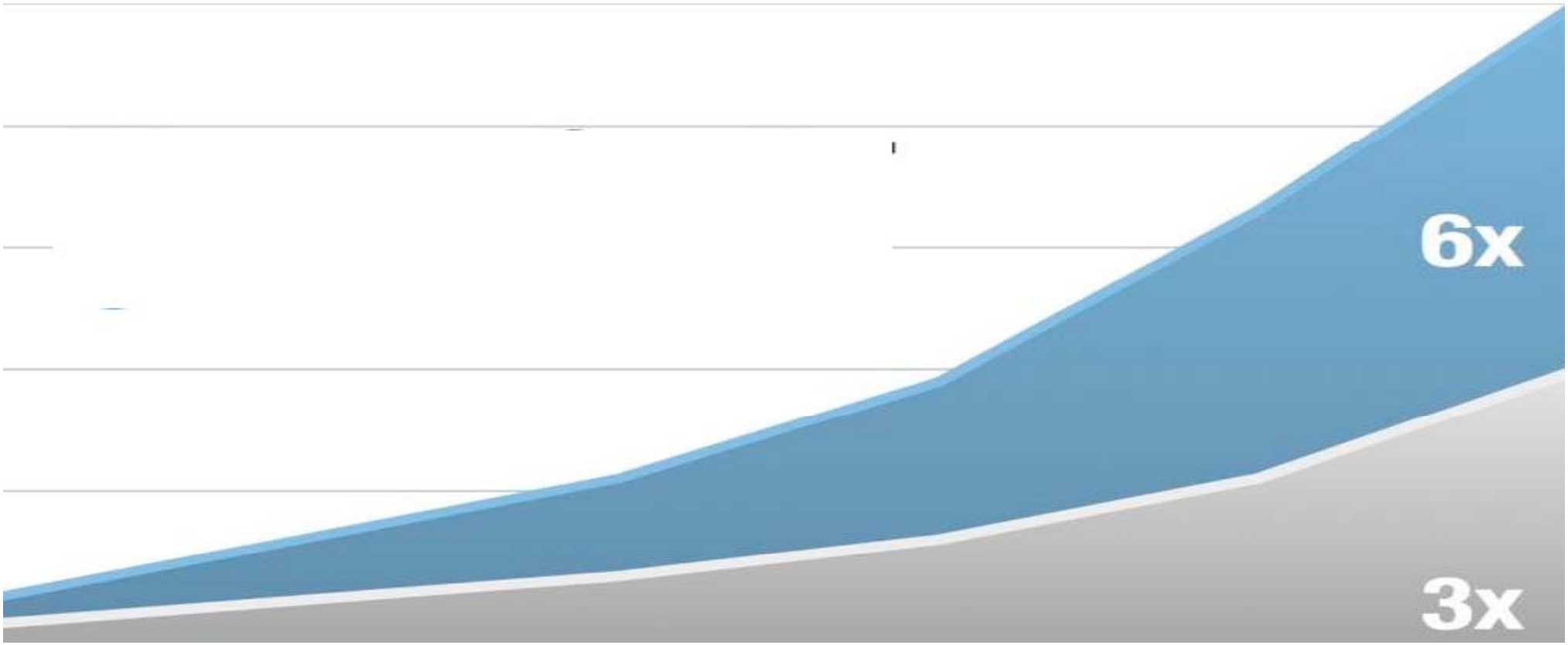

पानी की समस्या लगातार गंभीर बनती जा रही है ।

भूमि के नीचे से अधिक पानी निकालने की वजह से बहुत से देशों में जमीनी पानी लगभग समाप्त की ओर है ।

अनाज की पैदावार में कमीं से भोजन की समस्या और उनकी कीमत काफी ऊँची हो जाएगी ।

हमारी पानी की समस्या भूखमरी को निमन्त्रण दे रही है ।

....तो इसका मतलब क्या है ?

क्या दुनियाँ प्यासी रह जाएगी ?

क्या हम प्यासे रह जाऐंगे ?

क्या हमारी फसल सूख जाएगी ?

कैसे चलेगा हमारा उद्योग जगत बिना पानी की सहायता से ?

अब वह समय आ चुका है जिसमें पानी की प्रत्येक बूंद का महत्व स्वंय समझकर दूसरों को भी इसके संरक्षण का कारण बताऐं ।

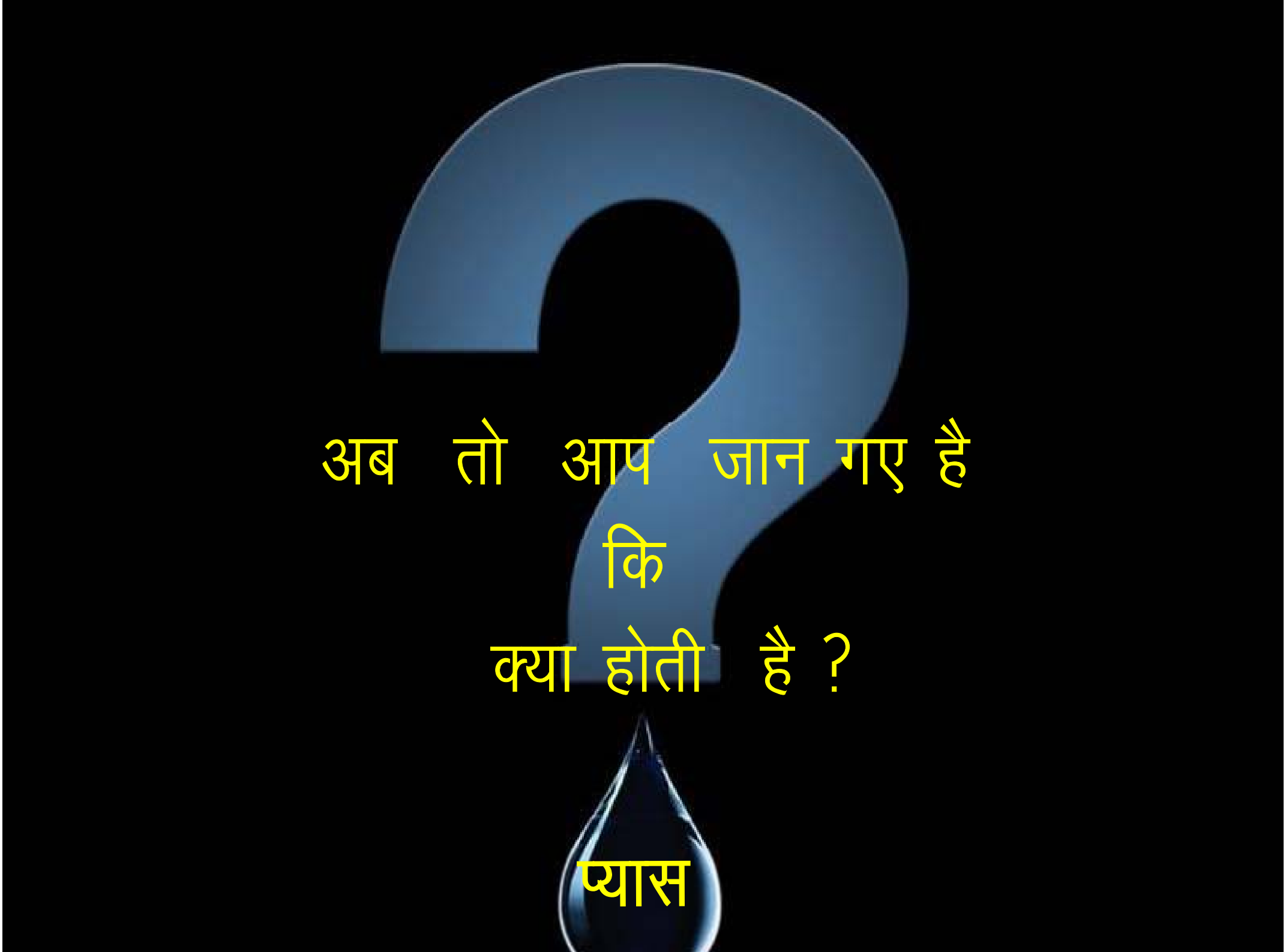
अब तो आप जान गए है
कि
क्या होती है ?
प्यास